



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 584]

No. 584]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 5, 2003/अग्रहायण 14, 1925

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 5, 2003/AGRAHAYANA 14, 1925

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 2003

सा.का.नि. 927(अ).— केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का प्रारूप, मोटरयान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 754 (अ), तारीख 19 सितम्बर, 2003 को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 19 सितम्बर, 2003 में प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से, जिसको भारत के उक्त राजपत्र की प्रतियां, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, तीस दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 22 सितम्बर, 2003 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और केंद्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त सुझावों पर सम्यक रूप से विचार कर लिया है;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय मोटरयान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटरयान (तीसरा संशोधन) नियम, 2003 है।
2. केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 115 में उपनियम (12) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“ (13) केन्द्रीय मोटरयान (तीसरा संशोधन) नियम, 2000 के नियम 1 के उपनियम (2) के खंड (क) और केन्द्रीय मोटरयान (दूसरा संशोधन) नियम, 2001 के नियम 1 के उपनियम (ii) के खंड (क), केन्द्रीय मोटरयान (तीसरा संशोधन) नियम, 2000 के नियम 1 के उपनियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं.का.आ. 779 (अ), तारीख 29 अगस्त, 2000 और अधिसूचना सं.का.आ. 90 (अ), तारीख 27 जनवरी, 2003, केन्द्रीय मोटरयान (दूसरा संशोधन) नियम, 2001 के नियम 1 के उपनियम (ii) के खण्ड (ख) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं.का.आ. 731 (अ), तारीख 21 जुलाई, 2001, सं.का.आ. 801 (अ), तारीख 26 जुलाई, 2002 और सं.का.आ. 940 (अ), तारीख 4 सितम्बर, 2002 और केन्द्रीय मोटरयान (तीसरा संशोधन) नियम, 2000 के नियम 1 के उपनियम (2) के खंड (ख), और केन्द्रीय मोटरयान (दूसरा संशोधन) नियम, 2001 के नियम 1 के उपनियम (ii) के खण्ड (ख) के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं.का.आ. 91 (अ), तारीख 27 जनवरी, 2003 में अन्तर्विष्ट उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, उपनियम (11) के उपबंध, 1 अप्रैल, 2005 से ही विनिर्मित चार पहिया यानों की बाबत सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 1 अप्रैल, 2005 से प्रवृत्त होंगे।”

[फा. सं. आरटी-110]1/2/2001-एमवीएल]

आलोक रावत, संयुक्त सचिव

टिप्पण.—मूल नियम सा.का.नि. सं. 590(अ), तारीख 2 जून, 1989 द्वारा अधिसूचित किए गए हैं और सा.का.नि. सं. 720(अ), तारीख 10 सितम्बर, 2003 द्वारा अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th December, 2003

G.S.R. 927(E).— Whereas the draft of certain rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, were published as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, section 3, sub-section (i), dated the 19th September, 2003 in the notification of Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways, number G.S.R. 754 (E), dated the 19th September, 2003, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby within a period of thirty days from the date on which copies of the Gazette of India, in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette of India were made available to the public on the 22nd September, 2003;

And whereas the suggestions received from the public in respect of the said draft rules have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 110 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, namely:-

1. These rules may be called the Central Motor Vehicles (Third Amendment) Rules, 2003.
2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989, in rule 115, after sub-rule (12), the following sub-rule shall be inserted, namely:-
" (13) Without prejudice to the provisions contained in clause (a) of sub-rule (2) of

rule 1 of the Central Motor Vehicles (3rd Amendment) Rules, 2000 and clause (a) of sub-rule (ii) of rule 1 of the Central Motor Vehicles (2nd Amendment) Rules, 2001, notifications number S.O. 779 (E) dated 29th August, 2000 and number S.O. 90 (E) dated 27th January, 2003, issued under clause (b) of sub-rule (2) of rule 1 of the Central Motor Vehicles (3rd Amendment) Rules, 2000, notifications number S.O. 731 (E) dated 21st July, 2001, number S.O. 801 (E) dated 26th July, 2002 and number S.O. 940 (E) dated 4th September, 2002, issued under clause (b) of sub-rule (ii) of rule 1 of the Central Motor Vehicles (2nd Amendment) Rules, 2001 and notification number S.O. 91 (E) dated 27th January, 2003, issued under clause (b) of sub-rule (2) of rule 1 of the Central Motor Vehicles (3rd Amendment) Rules, 2000 and clause (b) of sub-rule (ii) of rule 1 of the Central Motor Vehicles (2nd Amendment) Rules, 2001, the provisions of sub-rule (11) shall, in respect of four wheeled vehicles manufactured on and from the 1st April, 2005, come into force in all States and Union Territories on the 1st day of April, 2005. ”.

[F.No.RT-11011/2/2001-MVL]

ALOK RAWAT, Jt. Secy.

Note.—The principal rules were notified *vide* G.S.R. 590(E), dated 2nd June, 1989 and last amended *vide* G.S.R. 720(E), dated 10th September, 2003.